जिसकी लाठी उसकी भैंस | Jiski Lathi Uski Bhains Hindi Story

बहुत समय पहले की बात है, एक गांव में श्याम नाम का एक दूध वाला रहता था। उसके पास बहुत सारी भैंसे थी और वह उन्हें बहुत प्रेम करता था।

भैंस का दूध वह गांव में घूम-घूमकर बेचता था। गांव में श्याम का बड़ा सम्मान था।

क्योंकि श्याम बहुत ही शांत और सरल दिल का था। और वह दूध में पानी नहीं मिलाता था।

इसलिए उसके पास ग्राहक भी धीरे-धीरे बढ़ने लगे।

एक दिन की बात है, एक आदमी ने श्याम भइया से दूध माँगा लेकिन श्याम के पास दूध ख़तम हो गया था। इसलिए वह उसे दूध नहीं दे पाया।

तब श्याम ने सोचा की क्यों न वह एक और भैंस खरीद ले। ऐसा सोचकर दूसरे दिन श्याम बाजार पहुंचा। श्याम एक आदमी के पास गया जहाँ उनके पास बहुत सारी भैंसे थी।

श्याम ने सब भैंसो को देखा और उनमे से एक भैंस पसंद की। श्याम पैसे देकर उस भैंस को खरीद लेता है और वहां से चल पड़ता है।

श्याम को अपने गांव जाने के लिए एक जंगल से गुजरना पड़ता है। श्याम अपनी भैंस को लेकर उस जंगल से गुजर ही रहा था तभी सामने एक आदमी हाथ में लाठी लेकर श्याम के पास आ खड़ा हुआ आया।

उस आदमी ने कहा, “अरे दूध वाले, रुको।” श्याम ने कहा, “अरे भइया आपको कैसे पता की मैं दूध बेचता हूँ।”

उस आदमी ने कहा, “मुर्ख, अगर तू दूध वाला नहीं तो क्या इस भैंस का अचार डालोगे।

चलो यह भैंस मेरे हवाले करो और दफा हो जाओ यहाँ से, नहीं तो लाठी से ऐसा हाल करूँगा की खुदको पहचान भी नहीं पाओगे।”

श्याम डर गया लेकिन फिर थोड़ा सोच में डूबा। उस आदमी ने कहा, “जल्दी करो मुर्ख, मेरे पास इतना समय नहीं है।”

श्याम ने डरके मारे उस भैंस को उसे दे दिया। श्याम के इतने शांत स्वाभाव को देखकर वह आदमी बहुत प्रभाबित हुआ और कहा, “तुम तो बड़े डरपोक हो। इतनी आसानी से मुझे अपनी भैंस दे दी।”

तो श्याम ने कहा, “अरे भइया, लाठी से मार खाने से अच्छा है भैंस ही दे दो।”

उस आदमी ने कहा, “ठीक है, अब भागो यहाँ से नहीं तो मार पड़ेगी।”

श्याम थोड़ा सोचकर बोला, “भइया मेरी बात सुनो, मैंने मेरी भैंस आपको दे दी पर अगर मैं खाली हाथ घर जाऊँगा तो मेरी बीवी मुझे बहुत मारेगी तो अगर यह लाठी मुझे दे देते तो बड़ा ऐसान होता।”

उस आदमी ने फिर बिना सोचे समझे श्याम को अपना लाठी दे दिया। श्याम ने फिर झट से हाथ में लाठी लपकी और कहा, “मेरी भैंस मुझे लौटा दो नहीं तो मैं तुम्हारी सर फोड़ दूंगा।”

उस आदमी को अपनी मूर्खता समझमे आ गई। जिस लाठी से उसने श्याम की भैंस ली थी वही लाठी उसके पास जा चुकी थी।

वह चुप चाप भैंस की रस्सी श्याम को दे देता है और कहता है, “जबकि मैंने तुम्हारी भैंस लौटा दी है अब तुम मेरी लाठी लौटा दो।”

श्याम जानता था की अगर उसने फिरसे उसे लाठी दे दी तो वह फिर उससे भैंस मांगेगा। इसलिए श्याम ने कहा, “कौन सी लाठी?

कैसी लाठी?

भागो यहाँ से। नहीं तो मैं तुम्हारा सर फोड़ दूंगा।”

वह आदमी घबड़ाकर वहां से भाग जाता है। और अपनी भैंस लेकर घर आ गया |

जिसकी लाठी उसकी भैंस मुहावरे का अर्थ - जिसकी लाठी उसकी भैंस मुहावरे का अर्थ होता है शक्तिशाली की विजय होती है अर्थात शक्तिशाली व्यक्ति जो पाना चाहता है वह ले लेता है |

KahaniKiDuniya.in